संपादक का नोट

मैं आप सभी मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम पर अभिवादन देती हूं।

प्रभु ने उसे बनाया है जो कोई पाप नहीं जानता था, हमारे लिए पापी होना पड़ा तो यह है कि हम उस में परमेश्वर की धार्मिकता बन सकते है।

हम कभी नहीं समज पाएंगे महान प्यार को जो प्रभु ने हमें किया था, जब वह हमें बनाया है जो अभी तक गैर–यहूदियों, उनके बेटों और बेटियों उनके बेटे यीशु मसीह के माध्यम से।

उसी तरह यीशु मसीह ने अपने लहू से हमें धोया और हमें पवित्र बनाया तो हम उसकी आत्मा के माध्यम से उसे अब्बा पिता कह सकते हैं। उसने हमें धार्मिकता का वस्त्र और अपने दूतों को हमें दे दिया सेवा टहल करने के लिए।

सारी धार्मिकता जो वह प्राप्त किया है, उन्होंने हमें दिया है, ताकि जो धार्मिकता को स्वीकार करे , जब हम अधिकार के साथ प्रार्थना करते हैं , हमारे प्रभु उस प्रार्थना का सम्मान करता है यहां तक कि परमेश्वर का राज्य भी प्रार्थना का सम्मान करता है। बाइबिल कहता हैं, ''प्रभावी, एक धर्मी आदमी की उत्सुक प्रार्थना ज्यादा लाभ देता है। इसके साथ ही , बाइबल में एलिय्याह के बारे में कहता हैं याकूब 5 : 17 ''एलिय्याह भी हमारे ही जैसे स्वरुप का मनुष्य था, और उसने वर्षा न होने के लिए गिड़िगड़ा कर प्रार्थना की, और साढ़े तीन वर्ष तक धरती पर वर्षा न हुई।''

प्रभु ने यहोशू की प्रार्थना सुनी क्योंकि वह एक धार्मिक इंसान था। यहोशू 10 : 12 '' उस दिन यहोवा ने एमोरियों को इस्राएलियों के वश में कर दिया। इसलिए यहोशू ने इस्राएलियों के सामने यहोवा से कहा, ''हे सूर्य, गिबोन पर और हे चन्द्रमा, तू अय्यालोन की तराई पर ठहर जा।''

स्वर्ग और पृथ्वी में सभी अधिकार अपने स्वर्गीय पिता के हाथ में है। जो भी वह कहते हैं वह पूरा हो जाता है। वह यशायाह में कहते हैं यशायाह 45 : 11 इस्राएल का पवित्र और उसका सृष्टिकर्ता यहोवा यों कहता हैरू''मेरी संतान पर घटित होनेवाली घटनाओं के विषय में मुझ से पूछो, और मेरे हाथों के कार्यों को मुझ पर ही छोड़ दो।''

तो एक ही रूप में उसके साथ धार्मिकता में रहो। यीशु मसीह कहते हैं में यूहन्ना 15 : 7 ''यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरे वचन तुम में बने रहें तो जो चाहो मांगो, और वह तुम्हारे लिए हो जाएगा।''

एलिय्याह की तरह धर्मी रहो और उत्साह से प्रार्थना करते रहो। अय्यूब 36 : 7 ''वह धर्मियों से अपनी आंखें नहीं हटाता, परंतु उसने उन्हें राजाओं के साथ सिंहासन पर सदा के लिए बैठाया है, और वे महिमान्वित किये गए हैं।''

जब आप धर्म और अखंडता में इस दुनिया में रहते हैं, आप एक धन्य मनुष्य हो जाएंगे। नीतिवचन 20 : 7 ''धर्मी जो खराई से चलता रहता है– उसके पश्चात् उसकी सन्तान क्या ही धन्य होती हैं !''

राजा दाऊद कहता है भजन संहिता 106 : 3 ''क्या ही धन्य हैं वे जो न्याय पर चलते हैं, जो हर समय धार्मिकता का आचरण करते हैं !'' धर्म और न्याय प्रभु के गुण हैं। तो तुम प्रभु के बच्चे के होने के लिए इन गुणों को स्वीकार कर लो। प्रभु पीढ़ी दर पीढ़ी तुम्हें आशीर्वाद देंगे। भजन संहिता 112 : 2 ''उसका वंश पृथ्वी पर प्रतापी होगा, सीधे लोगों की सन्तान आशीष पाएगी।''

भजन बनानेवाला राजा दाऊद अपने अनुभव से कहता है भजन संहिता 37 : 25 ''मैं जवान था और अब बुढ़ा हो गया हूं, परन्तु मैंने न तो कभी धर्मी को त्यागा हुआ, और न कभी उसके वंश को भीक मांगते देखा है।''

धर्मी एक ताड़ के पेड़ की तरह लहलहाते हैं वह लेबनान में एक देवदार की तरह विकसित करेगा।

धर्मी इब्राहीम का परमेश्वर, धर्मी इसहाक का परमेश्वर, धर्मी याकूब का परमेश्वर , धर्मी यूसुफ का परमेश्वर, और धर्मी मूसा का परमेश्वर , उसी तरह से अपने सभी पीढ़ियों के लिए प्रभु हो जाएगा और वह बढ़िया तरीका से ख्याल रखेगा।

भजन संहिता 102 : 28 ''तेरे सेवकों की सन्तान बनी रहेगी, और उनका वंश तेरे समुख स्थिर रहेगा।''

धर्म का प्रथम आशीर्वाद मुक्ति है। एक और आशीर्वाद है वह है एक लंबा जीवन। दानिय्येल राजा नबूकदनेस्सर को यह रहस्य की बात की थी दानिय्येल 4 : 27 ''अतः हे राजा, मेरी सम्मति तुझे स्वीकार होरू तू धार्मिकता के कार्य करके अपने पापों से तथा कंगालों पर दया करके अपने अपराधों से दूर हो । सम्भव है, ऐसा करने से तेरी समृद्धि के दिन और बढ़ जाएं।''

मेरे प्यारे बच्चों तो, यह सब बातें हमारे जीवन में एक महान फसल लाएगा। वचन पढ़े और धन्य हो।

संभव है इस साल आप अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में और अपने परिवार में एक भरपूर फसल पाएं।

प्रभु आप सबका भला करे।

प्रभु की सेवा में आपकी,

पास्टर सरोजा म.

यीशु – मृतकों में से पहला जन्मा हुआ।

प्रकाशितवाक्य 1 : 5 ''और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी, मृतुकों में से जी उठने वालों में पहिलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का शासक है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहेरू जो हम से प्रेम रखता है, और जिस ने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है।'' हमारे धन्य यीशु मसीह के नाम को यहाँ दिया गया है ''मृतकों में से पहला उत्पन्न हुआ है।'' इसका क्या मतलब है , हमारे परमेश्वर आज भी जीवित है और हमारे बीच में है। उसकी क्रूस पर मृत्यु हो गई , मृतकों में से जी भी उठा और हमारे बीच में आज भी जिंदा है। हमारा परमेश्वर जीवित है, कल, आज और हमेशा के लिए है। इब्रानियों 7 : 25 ''अत : जो उसके द्वारा परमेश्वर के समीप आते हैं, वह उनका पूरा पूरा उद्धार करने में समर्थ है, क्योंकि वह उनके लिए निवेदन करने को सर्वदा जीवित है।'' हम में से उन लोगों के लिए है जो मानते है कि हमारे प्रभु हैं, जो हमारे लिए मर गया और मृतकों में से पहला उत्पन्न हुआ है , वह हमेशा प्यार और हमें मजबूत बनाने और हम पर उनकी कृपा की बौछार करने के लिए तैयार रहता है। यह महत्वपूर्ण है की हमेशा विश्वास करे हमारे दिल में, कि हमारे प्रभु हमेशा के लिए जीवित है । जो भी बाधा , तूफान, अपमान, दर्द और दुख हमें इस दुनिया में सामना करना पड़ सकता है , हम हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारे परमेश्वर जीवित है। उन्होंने कहा कि वह हम पर देख रहा है और वह अकेला हमारे जीवन में सब तूफान को शांत कर देगा। यह हमारा 'विश्वास' और 'भरोसा' होना चाहिए । यह पवित्र शास्त्रों में लिखा है, कुलुस्सियों 1 : 18 '' वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है। वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा है, जिससे कि सब बातों में उसी को प्रथम स्थान मिले।'' प्रभु हमारे चर्च के प्रमुख है , पहले मृतकों में से पैदा हुआ था और वह हमेशा हम पर देख रहा है। 1 कुरिन्थियों 15 : 20 ''पर अब मसीह तो मृतुकों में से जिलाया गया है, और जो सोए हुए हैं, उनमें वह पहला फल है।'' आदम के समय से, हमने देखा है कि कई पीढ़ियों की मौत हो चुकी है , यह भी देखा की कई पीढ़ियों को भी पैदा किया गया है । लेकिन हमारे प्रभु की मौत एक बहुत ही पवित्र मौत थी। हमारे प्रभु यीशु मसीह हमारे लिए पैदा हुआ था, वह क्रूस पर हमारे लिए मर गया और वह केवल हमारे लिए ३ दिन पर फिर से जी उठा । केवल एक है जो मरे हुओं में से जी उठा है और हमेशा के लिए जीवित है । हाँ, हम शास्त्रों में पढ़ा है कि हमारे प्रभु मृतकों में से कइयों को पुनर्जीवित किया है, लेकिन वे एक बार फिर से निधन हो गए। प्रभु और उसके सेवक के माध्यम से कई मृतकों में से जी उठे जैसे नबी एलीशा ने शूनेमिन के बेटे को जिलाया , नबी एलिय्याह ने विधवा के बेटे को पुनर्जीवित किया , आदि कई भी मृतकों में

से जी उठे थे, लेकिन कुछ साल बाद फिर से निधन हो गए। याद रखें, हमारे प्रभु यीशु मसीह ही है जो मृतकों में से जी भी उठा और हमेशा के लिए जीवित है ''मृत के पहले उत्पन्न हुआ था''। इस प्रकार , हमारा विश्वास प्रभु पर होना चाहिए, हमें उस पर विश्वास करना चाहिए कि जो फिर से जी उठा और हमेशा के लिए जीवित है। हाँ, जब वह फिर से आएगा, हमें विश्वास होना चाहिए कि वह हमें मृतकों में से जी उठाता है, या हमें उठाएगा , जो भी उस पर विश्वास करें।

1 कुरिन्थियों 15 : 55 ''हे मृत्यु, तेरी विजय कहां हैं? हे मृत्यु, तेरा डंक कहाँ ?''

हमें विश्वास करना चाहिए हमारे प्रभु ने 'मृत्यु' पर जय पाया है। जब हम इस पर विश्वास करते है, तो उसकी आत्मा हमारे भीतर वास करती है , इस प्रकार हम भी मरे हुओं में से उठाया जाएंगे। हम शास्त्रों में पढ़ते है, रोमियो 8 : 11 ''यदि उसका आत्मा जिसने यीशु को मृतुकों में से जीवित किया तुम में निवास करता हैय तो वह जिसने मसीह यीशु को मृतकों में से जीवित किया, तुम्हारी मरणहार देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में वास करता है, जीवित करेगा।'' हम किसी भी रूप में हो जब हमारे प्रभु फिर से आएंगे , वह हमें उस रूप में उठाएगा। इस दुनिया में, कई राजा हैं। राजशाही के पुराने दिनों में, अलग–अलग राजा विभिन्न राज्यों पर राज्य करते थे। जैसे की महाराष्ट्र के राजा केवल महाराष्ट्र को शासन करते है। तमिलनाडु के राजा अकेले उसी का राज्य शासन करेंगे। लेकिन महाराष्ट्र के राजा तमिलनाडु और किसी भी अन्य राज्य पर शासन नहीं कर सकता। हर राजा अपने ही राज्य के सीमाओं तक सिमित हैं। लेकिन हमारे प्रभु परमेश्वर , सभी राजाओ के ऊपर एक राजा है , वह इस दुनिया के शासक है। इस प्रकार हमारे परमेश्वर ''मृत का पहला जन्मा'' वह हमें मुक्ति दे सकता है जो भी उस पर विश्वास करते है उद्धार पाएंगे। वह उनके दर्द और दुख पर मरहम लगाएगा । हमारे प्रभु ने हमें बिना शर्त के प्यार किया है। उनका प्यार निष्पक्ष है। इस दुनिया के राजाओं, जो लोगों पर अपने फैसले में पक्षपात से न्याय करते हैं। हमारा प्रभु, राजाओं के राजा जो स्वर्ग और पृथ्वी के निर्माता है , एक निष्पक्ष प्रभु है और वह इस दुनिया में समान रूप से सभी मानव जाति को प्यार करता है। राजा सुलैमान एक अलग राजा था, क्योंकि वह हमेशा प्रभु की आत्मा के द्वारा कार्य करता था उसका राज्य शासन करने के लिए वह एक निष्पक्ष राजा था। उसके विपरीत, इस दुनिया के अन्य राजाओं , उनके राज्य में लोगों के बीच असमानता और पक्षपात दिखाते हैं। इस दुनिया में कोई सच्चा नहीं है , हम अदालत में न्यायाधीशों को देखते हैं, वे भी पक्षपात करते हैं और निर्णय अनैतिकता से करते हैं। यह याद रखना बहुत जरुरी है जब

हमारे विश्वास और भरोसा हमारे प्रभु परमेश्वर पर होता है तो वह हमारे हाथ को पकड़कर और उनके शुद्ध प्रेम के साथ हमारे जीवन का नेतृत्व करेंगे। प्रकाशितवाक्य 19 : 16 उसके वस्त्र और जांघ पर यह नाम लिखा हैरू ''राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।'' हमारे प्रभु राजाओं के राजा है और उनके निर्णय हमेशा 'धर्मी' है। प्रेरित पौलुस हमारे परमेश्वर के बारे में अत्यधिक बोलते है, १ तीमुथियुस 6 : 15 ''जिसे वह उचित समय पर प्रकट करेगा – वह जो परमधन्य और एकमात्र सम्राट, राजाओं का राजा, और प्रभुओं का प्रभु।'' पॉल प्रभु का नाम उच्चा उठाते और भी अधिक उनकी महिमा करते हुए कहा कि 'वह राजाओं का राजा और प्रभुओ का प्रभु है। हमारे प्रभु यीशु मसीह, परमेश्वर पिता , राजाओं के राजा के प्रिय पुत्र , इस दुनिया में एक नीची राज्य में हमारे लिए , पैदा हुआ था। यीशु के जन्म के बाद और इससे पहले कि वह इस धरती पर उनके सभा शुरू कर दिया, जब वह पिता परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा था तो शत्रु उनका सामना किया और उनकी परीक्षा की। वह यीशु मसीह को संसार के इच्छाओं को दिखाया। अगर यीशु को दुनिया के इन इच्छाओं में दिया जाता , यह आवश्यक नहीं होता उसे क्रूस पर अपना जीवन बलिदान करना। शत्रु भी उसे बताता है कि ''मैं तुम्हें , इस दुनिया को दे दूंगा लेकिन तुम्हे केवल मेरे लिए झुकना होगा''। वह यह भी उसे कहता है कि ''कोई जरूरत नहीं है तुम्हे क्रूस उठाने की और अपनी मौत के तरफ जाने की, मैं तुम्हें इस दुनिया और अपनी महिमा दे दूंगा, लेकिन अगर तुम केवल मुझे झुकर दंडवत करो। हमारे प्रभु हमारे अकेले के कारण ही यीशु मसीह क्रूस पर अपना जीवन त्याग दिया और हमें एक अनन्त जीवन दे दिया। भजन संहिता 2 : 1–6 जाति जाति के लोग क्यों हुल्लड़ मचाते हैं, और देश देश के लोग व्यर्थ बातें क्यों गढ़ते हैं? यहोवा के और उसके अभिषिक्त के विरूद्ध पृथ्वी के राजा उठ खड़े होकर, और शासक एक साथ मिलकर यह सम्मति करते हैंरू ''आओ, हम उनकीजंजीरों को तोड़ डालें, और उनके बंधनो को अपने ऊपर से उतार फेंके॥ वह जो स्वर्ग में विराजमान है, हस्त है, प्रभु उन को ठट्ठों में उडाता है। तब वह अपने क्रोध में उनसे बातें करता, और अपने प्रकोप में उन्हें भयभीत कर देता है। ''मैं तो अपने राजा को अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर बैठा चुका हूं।''

उस दिन, अगर हमारे प्रभु परमेश्वर, बुराई एक छल, में दिया जाता , तो वह पापों से हमारे बंधन से

हमें छुटकारा देने में सक्षम नहीं होता। आज, हम उसका नाम में कुछ भी ऐसा करने में सक्षम नहीं होते। २००० साल पहले , प्रभु, शत्रु की योजना को जानते थे और उस दिन क्योंकि वह निर्णय कर चुके थे की वह तुम्हारे और मेरे लिए क्रूस पर मारने को तैयार है तो हम आज भी उनके नाम पर जीत हासिल कर सकते है। इस दुनिया और दुनिया के लोगों के शासक प्रभु के बच्चों के बारे में क्या सोचते हैं? वे बुराई की योजना करते है जैसे कि शत्रु ने २००० साल पहले यीशु के लिए योजना किया था। वे हमारे खिलाफ योजना बुराई आज भी करते है। लेकिन फिर क्रूस पर प्रभु की पीड़ा की वजह से, आज हम बुराई के काम से , विचार, और उसकी योजना से लड़ सकते है और जीत भी हासिल कर सकते है। २००० साल पहले , यदि यीशु मसीह क्यों मैं ही ऐसा अपने बारे में सोचते थे ? मैं क्रूस के बोझ को क्यों लूँ ? मैं ही क्यों भुगतना चाहिए? वह दुष्ट के हाथों में खुद को दे दिया होता , तो आज कुछ अलग परिस्तिति होती। यही कारण है कि जब दुखों , अपमान, दर्द इस धरती पर उनके बच्चों पर आता है ,

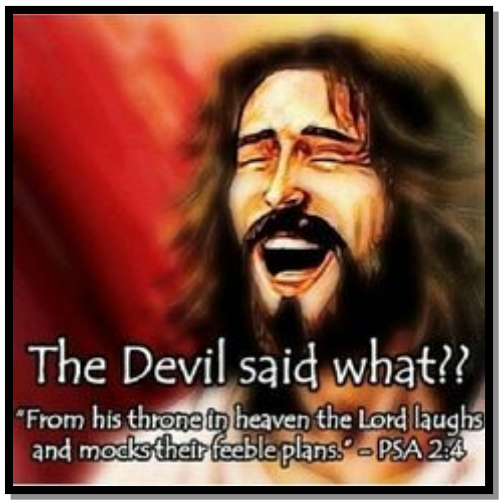

हमारे परमेश्वर बुराई पर हंसते हुए कहते हैं , क्योंकि बुराई योजनाओं सब को हरा दिया और नष्ट कर दिया है। प्रभु बुराई पर हंसते हुए कहते हैं, ''कैसे तू मेरे बच्चों को छू सकता है , तू उनका क्या कर सकता हैं , कितना बाधा तुम उनके जीवन में ला सकता हैं, कैसे तुम उन्हें नष्ट कर सकता हैं?'' हमारे प्रभु जो परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठा है अपने स्वर्गीय राज्य में आज पिता, एक बुराई की योजना पर हँस रहा है । क्यूं कर? क्योंकि यीशु मसीह बुराई से इनकार किया है और यहां तक कि क्रूस तक अपने पिता के आदेश का पालन किया और सभी मानव जाति के लिए विजय हासिल किया। इस प्रकार, हम इस दुनिया में जीत हासिल कर सकते हैं। जो भी हम प्रभु के लिए करते हैं, जब शत्रु हम पर घृणा करता है, प्रभु उस पर हस्ता है। 4 '' वह जो स्वर्ग में विराजमान है, हस्त है, प्रभु उन को ठट्ठों में उडाता है।'' जब शत्रु हर मुमकिन कोशिश करता है प्रभु के बच्चों को बंधन या प्रभु के बच्चों के जीवन में बाधा लाने के लिए, हमें याद रखना चाहिए कि प्रभु हम पर देख रहा है और बुराई की योजना पर हँस रहा है । हमारे प्रभु शत्रु को याद दिलाता है '' क्या तुम्हें याद नहीं है कि २००० साल पहले, मैंने तुमको

हराया?'' आज, यह है कि हर जीत है कि मैं अपने बेटे और बेटियों को जो मुझे सेवा कर रहे हैं उन पर बरसाई है। तुम एक पराजित किए हुए हो और मेरे बच्चों पर कोई नुकसान नहीं ला सकते हो। 5 '' तब वह अपने क्रोध में उनसे बातें करता, और अपने प्रकोप में उन्हें भयभीत कर देता है।'' हमारे प्रभु चुप नहीं रहते है, लेकिन एक शत्रु पर उनका गुस्सा और क्रोध लाने और प्रभु का डर उन में डालता है। बुरे लोगों को शांति नहीं है वे हमेशा भौंकते ही रहते है, वे हमेशा अपने कामों में कोई न कोई बाधा लाते ही रहते है। वे और अधिक बाधा लाने के लिए क्रोध में जारी रहेगा, उनके कामों को स्थापित करने के लिए अस्त व्यस्त दौड़ते ही रहेंगे। लेकिन याद रखना हमारे प्रभु उन्हें नष्ट नहीं करेंगे, लेकिन उन्हें भ्रम और भय की स्थिति में डाल देंगे। ईमारत जो 'बेबल का मीनार' निर्माण करने के लिए जब लोग आकाश तक पहुंच जाएंगे बनाने का फैसला किया, हम जानते हैं कि कैसे प्रभु ने उनकी भाषा बदल कर उन लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर दी की वे लंबा टॉवर के निर्माण की अपनी योजनाओं को बर्बाद कर दिया। हमारे लिए हमारे प्रभु के प्यार २००० साल पहले बहुत था, कि वह क्रूस पर अपनी जान देने के लिए बड़ी विनम्रता के साथ फैसला किया। उनके बलिदान की वजह से, आज यीशु मसीह हमारे जीवन के कोने का पत्थर है। दुष्ट यीशु को कई बार रोकने के लिए क्रूस पर अपना जीवन नहीं देने के लिए कोशिश की है, लेकिन अगर यीशु केवल उस शत्रु के आगे झुकते, वह उसे दुनिया आसानी से दे देता। दुष्ट को पता था , कि अगर वह हमारे जीवन अर्थात यीशु मसीह जो हमारे जीवन की चट्टान है हरायेगा, तो उसे इस दुनिया में प्रभु के लोगों को नष्ट करने के लिए आसान होगा। लेकिन यीशु ने हमें इन सब बुराई योजनाओं से मुक्ति देना चाहते थे, इस प्रकार वह हमारे लिए क्रूस उठाया। 6 ''मैं तो अपने राजा को अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्दी पर बैठा चुका हूं।'' इस प्रकार आज , प्रभु परमेश्वर के विभिन्न स्थानों में उनके चुने हुए बच्चों को अभिषेक किया है , ताकि उनके बच्चों पर विपत्ति की योजनाओं को नष्ट कर दे। प्रकाशित वाक्य 17 : 14 ''ये मेम्ने के साथ युद्ध करेंगे और मेम्ना उन पर विजयी होगा, क्योंकि वह प्रभुओं का प्रभु, और राजाओं का राजा है, और जो उसके साथ है वे बुलाए हुए, चुने हुए आदि विश्वासी लोग है।'' क्रॉस पर यीशु के बलिदान और उसके हाथ में शत्रु की हार की वजह से, आज हम प्रभु के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हमारा प्रभु उनके जन्म से विनम्र बनके तुम्हारे और मेरे लिए इस दुनिया में आया। यह महत्वपूर्ण है हमें भी विनम्र होना चाहिए। हम पढ़ते है फिलिप्पियों 2 : 10 , 11 ''कि यीशु के नाम पर प्रत्येक घुटना टिके, चाहे वह स्वर्ग में हो या पृथ्वी पर या पृथ्वी के नीचे। और परमेश्वर पिता की महिमा के लिए प्रत्येक जीभ अंगीकार करे कि यीशु मसीह ही प्रभु है।''

हम हमेशा उनके जन्म और मृत्यु के द्वारा प्रभु की विनम्रता को याद रखना चाहिए। इस प्रकार पिता परमेश्वर उन्हें महिमा दिया और 'यीशु' के नाम में इस धरती पर सभी नामों के बीच सबसे अधिक बना दिया है। हमें हमारे प्रभु यीशु मसीह पर पूरा विश्वास है और उनका हमारे जीवन में हर बलिदान को याद रखना चाहिए । आभार के दिल के साथ हमें उसका धन्यवाद करना चाहिए। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए उनके जन्म और मृत्यु जो क्रूस पर हुआ हैं , उनके बलिदान के बिना हमारे जीवन की कल्पना करके देखो, हम में से हर एक हमारे पापों के लिए मर जाते। बिना हमारे पापों से मुक्ति मिलना , बिना यीशु के लहू के हम परमेश्वर के राज्य तक कभी नहीं पहुच सकते हैं। यह वही है जो शत्रु प्रभु के बच्चों के लिए इच्छा रखता है, कि हम परमेश्वर के राज्य तक पहुचना नहीं चाहिए। लेकिन, उनकी सभी विनम्रता के साथ हमारे प्रभु इस क्रूस पर उनकी मृत्यु और 'मृतकों का पहला पुत्र' के साथ हमारे लिये खोया साम्राज्य मिलेगा, वह अभी भी हमारे साथ जीवित है। जब हम केवल विश्वास करेंगे कि यह 'सच' , हम जीवन के साथ धन्य हो जाएंगे। विश्वासियों के साथ क्या हुआ ..... .वे लाल समुन्द्र के पार हो गए, लेकिन अविश्वासियों के साथ क्या हुआ ..... .वे लाल समुन्द्र में डूब गए। इब्रानियों 11 : 29 ''विश्वास ही से वे लाल समुद्र में से ऐसे पार हो गए मनो सूखी भूमि पर चलकर गए हो, और जब मिस्रियों ने भी वैसा ही करना चाहा, तो वे सब डूब मरे।'' विश्वास के बिना , हम कुछ ढूंढ सकते हैं या प्रभु से कुछ भी नहीं पा सकते। यह हो सकता है जब हम उस पर विश्वास करें, हम लाल समुन्द्र को पार कर सकते हैं। लेकिन अगर हम अविश्वास करेंगे तो हम लाल समुन्द्र में डूब जाएंगे। याद रखें, अन्यायी और अविश्वासी लोग लाल समुन्द्र पार करने के लिए प्रभु के बच्चों की तरह पर करने की कोशिश की, लेकिन प्रभु के बच्चों को सुरक्षित रूप से पार कर गए और अविश्वासी समुद्र में नष्ट हो गए थे। अगर हम में कोई विश्वास और ईश्वर में भरोसा नहीं है, तो किसी दिन हम भी नष्ट हो जाएंगे। हमारे दिल में, हम हमेशा याद रखना चाहिए कि कैसे हमारे प्रभु ने हमारे लिए , २००० साल पहले हमारे बारे में सोचा उनकी गहरी और बिना शर्त प्यार के कारण क्रूस पर अपना जीवन बलिदान कर दिया। हाँ, अगर हमारा विश्वास मजबूत है और हम सत्य को जानेगे, कोई काम कठिन कार्य नहीं है, कुछ भी हमारे भीतर भय नहीं ला सकता है। गीत याद रखें, ''प्रभु का आनंद है मेरी ताकत।'' प्रभु सभी के जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें मजबूत करेगा इस प्रकार, विश्वास करने में 'वचन' बहुत महत्वपूर्ण है , यह हर शत्रुओं से लड़ने के लिए तलवार है। हम जानते हैं , हमारे सभा हर दिन शत्रु से चुनौतियों का सामना करता है । लेकिन , हमारा विश्वास प्रभु अकेले में होना चाहिए

, हजारों साल पहले वह जानता था कि हम इस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और वह आज भी हमें ध्यान रखना चाहिए और शत्रु के साथ हमारे लिए लड़ेंगे। हमारे प्रभु शत्रु के लोगों और उनकी योजनाओं का काम करता है उन पर हंसते हैं । कल्पना कीजिए, कितना हम को और अधिक अपने प्रभु से प्यार करना चाहिए? हम कैसे इस दुनिया में अपने काम के लिए हमारे जीवन को समर्पित करने के लिए तैयार रहना चाहिए। एक अच्छा विश्वासी बनने के लिए, हम इस दुनिया में बहुत सी बातों को छोड़ना चाहिए। इब्रानियों 11 : 37 ''उनका पत्थरवाह हुआ। आरे से चीर कर उनके दो टुकड़े कर दिए गए। उनकी परीक्षा की गई। तलवार के घाट उतरे गए । वे दरिद्रता, क्लेश और दुख भोगते हुए भेड़ और बकिरयों की खाल पहिने इधर–उधर भटकते फिरे।'' जो लोग प्रभु में विश्वास करते हैं और विजय प्राप्त करना चाहते हैं इस दुनिया में कई चीजों को और बहुत कुछ को खोना पड़ता है। लेकिन याद रखना , इस दुनिया में सभी चीज को खोना पड़ेगा तभी हम अंत में उसके राज्य पाने के लिए पहुच सकते है जो उसने हमारे लिए तैयार किया है। पवित्र शास्त्र में अब्राहम के बारे में लिखा है इब्रानियों 11 : 10 '' वह उस स्थिर नीव वाले नगर की प्रतीक्षा में था जिसका रचने और बनाने वाला परमेश्वर है।'' जैसे की अब्राहम प्रभु पर इंतजार कर रहे थे, एक नगर के लिए जो कि प्रभु ने उसे देने के लिए निर्माण किया था, वैसे ही हम भी प्रभु पर इंतजार करने की जरूरत है। हमारे प्रभु ने शास्त्रों में वादा किया है कि ''मैं दूर तुम्हारे लिए मकान तैयार करने के लिए जा रहा हूँ, मैं वापस आऊंगा और मेरे साथ ले जाऊंगा''। इस प्रकार, अपने स्वर्गीय राज्य तक पहुंचने के लिए , हम अब्राहम की तरह प्रभु पर इंतजार करना है। अगर हम इब्रानियों 11 , महान विश्वास के एक अध्याय का पूरा अध्याय पढ़े, ऐसे कई लोग हैं जो प्रभु में उनकी आस्था और विश्वास करते है, और वह उन सब को बहुतायत से प्यार करता था। हमारे प्रभु की बड़ी योजना के लिए हमें २००० साल पहले, हमारे जीत के लिए आज भी मिल गई है। हमारे दिल में यह विश्वास, हमारे दिलों में इस भरोसे के साथ, हम निश्चित रूप से लाल समुन्द्र को पार करने में सक्षम हो जाएंगे। लेकिन अगर हम अपने प्रभु के खिलाफ उनसे अक्सर शिकायत करते रहेंगे, अगर हम उस पर विश्वास नहीं करेंगे, अगर हम अपने जीवन को अधार्मिकता में चलाएंगे और लाल समुन्द्र को पार करने की कोशिश करते हैं, हम निश्चित रूप से डूब जाएंगे। इस प्रकार, यह हमें प्रभु पर हमारा पूरा विश्वास और भरोसा डालकर रखना महत्वपूर्ण है। उसके कान हमेशा हमारे पुकार के लिए इच्छुक हैं , उसकी आँखें हम पर देख रहे हैं। वह हमारे लिए मर गया, और मरे हुओं में से फिर से जी उठा। वह **मृतकों की पहली उत्पन्न है** । जब हमारे भीतर यह महान उत्साह है, हम लाल समुन्द्र को सफलतापूर्वक पर कर देंगे और हमेशा हमारे जीवन में विजयी हो सकते है। प्रार्थना करती हूँ कि इस संदेश से हमारे जीवन में आशीर्वाद आएगा।

प्रभु की सेवा में आपकी,

पास्टर सरोजा म.